सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ₹ 02

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

कानपुर, शनिवार, 14 जून, 2025
वर्षः 02, अंकः 165, पृष्ठः 8+4

इजराइली हमलों में 78 की मौत 320 से ज्यादा घायल

» Pg 12

इनसाइड सीबीआई ने कानपुर आर्डिनेंस फैक्ट्री में मारा छापा... » Pg 03

‘आखिर प्लेन कैसे हुआ क्रैश’

हादसे के कारण का जल्द होगा खुलासा-बोले मंत्री राम मोहन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। अहमदाबाद में हुए विमान हादसे के बारे में डीजीसीए ने प्रेस कांफ्रेंस कर दुर्घटना के बारे में पूरी जानकारी दी है। मंत्री नायडू किंजरापु ने बताया कि ब्लैक बॉक्स मिल गया है, जल्द ही हादसे की वजह सामने आ जाएगी।

अहमदाबाद विमान हादसे के बारे में प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु ने बताया, पिछले दो दिन बहुत मुश्किल भरे रहे हैं। अहमदाबाद एयरपोर्ट के पास हुई दुर्घटना ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया। इस दुर्घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले सभी परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है...। मैं व्यक्तिगत रूप से घटनास्थल पर गया था, ताकि देख सकूं कि क्या किया जाना चाहिए, क्या सहायता प्रदान की जानी चाहिए और यही गुजरात सरकार, भारत सरकार और मंत्रालय के अन्य लोगों का सोचना था।

दुर्घटना के बाद कैसा था मंजर-मंत्री ने बताया : मंत्री ने बताया कि, जब हम घटनास्थल पर पहुंचे, तो हमने देखा कि सभी संबंधित विभागों की टीमें ज़मीन पर अपना अपना काम कर रही थीं, जो भी संभव हो, बचाव करने की कोशिश कर रही थीं, आग को कम करने और मलबे को हटाने की कोशिश कर रही थीं, ताकि शवों को जल्द से जल्द अस्पताल भेजा जा सके। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो, जिसे विशेष रूप से विमानों के आसपास होने वाली घटनाओं, दुर्घटनाओं की जांच करने के लिए बनाया गया था, को तुरंत सक्रिय किया गया।

ब्लैक बॉक्स बरामद, दुर्घटना की वजह आ जाएगी सामने

AAIB के माध्यम से हो रही तकनीकी जांच से एक महत्वपूर्ण अपडेट कल शाम 5 बजे के आसपास घटनास्थल से ब्लैक बॉक्स की बरामदगी हुई है। टीम का मानना है कि ब्लैक बॉक्स की यह डिकोडिंग गहराई से जानकारी देने वाली है। दुर्घटना की प्रक्रिया के दौरान या दुर्घटना से पहले के क्षणों में वास्तव में क्या हुआ होगा, इसकी जानकारी। हम इस बात का भी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं कि पूरी जांच के बाद क्या परिणाम या रिपोर्ट सामने आएगी।

कुछ ही सेकेंड में वहां मच गई थी तबाही

नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सचिव समीर कुमार सिन्हा ने कहा 12 जून को दोपहर करीब 2 बजे हमें सूचना मिली कि अहमदाबाद से गैटविक लंदन जा रहा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। हमें तुरंत एटीसी अहमदाबाद के जरिए इस बारे में विस्तृत जानकारी मिली। विमान ने दोपहर 1:39 बजे उड़ान भरी और कुछ ही सेकंड में करीब 650 फीट की ऊंचाई पर पहुंचकर यह गिरने लगा और दुर्घटनाग्रस्त हो गया। कुछ सेकेंड में वहां तबाही मच गई।

शाम पांच बजे रनवे को खोल दिया गया था

एटीसी के मुताबिक यह विमान मेधानीनगर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जो एयरपोर्ट से करीब 2 किमी की दूरी पर स्थित है। जहां तक विमान के पूरे इतिहास की बात है, इस दुघर्टना से पहले विमान ने पेरिस-दिल्ली-अहमदाबाद सेक्टर को बिना किसी दुर्घटना के पूरा कर लिया था। दुर्घटना के कारण दोपहर 2:30 बजे रनवे को बंद कर दिया गया और सभी प्रोटोकॉल पूरे करने के बाद शाम 5 बजे से अहमदाबाद के रनवे को सीमित उड़ानों के लिए खोल दिया गया।

नीट यूजी परीक्षा

हनुमानगढ़ के महेश देश भर में अव्वल, 686 अंकों के साथ टॉप किया

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

हनुमानगढ़। नीट यूजी 2025 के परिणाम आज जारी हुए। परीक्षा में

हनुमानगढ़ के महेश केसवानी ने देशभर में पहली रैंक हासिल कर देश में हनुमानगढ़ का नाम रोशन किया है। महेश को 720 में से 686 अंक प्राप्त हुए हैं।

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा आयोजित देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी 2025 का परिणाम शनिवार को घोषित किया गया। इसमें हनुमानगढ़ जिले के महेश केसवानी ने देशभर में पहली रैंक हासिल कर जिले का नाम पूरे देश में रोशन किया है। महेश मूलतः हनुमानगढ़ जिले के नोहर कस्बे के निवासी हैं। उनके पिता रमेश कुमार और मां हेमलता दोनों सरकारी शिक्षक हैं और वर्तमान में डबलीराठान गांव में निवास कर रहे हैं। महेश का ननिहाल हनुमानगढ़ जंक्शन के सुरेशिया क्षेत्र में स्थित है।

महेश ने अपने पहले ही प्रयास में देशभर में टॉप किया। उनकी इस सफलता ने न केवल हनुमानगढ़ जिले बल्कि पूरे राजस्थान को गौरवान्वित किया है। महेश की उपलब्धि उन हजारों छात्रों के लिए प्रेरणा बन गई है, जो मेडिकल क्षेत्र में अपना भविष्य संवारना चाहते हैं। परीक्षा परिणाम जानने के बाद परिवारजनों ने मिठाइयां बांटी।

आफत : प्रदेश में बिजली कटौती से मचा हाहाकार

गांवों में रोस्टर से कम मिल रही बिजली, 31 हजार मेगावाट पहुंची मांग, शहरों में भी बुरा हाल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। गर्मी बढ़ने के साथ पूरे प्रदेश में बिजली कटौती से हाहाकार मचा हुआ है। गांवों के साथ शहरों में भी यह समस्याएं बनी हैं। केबल जलने की घटने लगातार हो रही हैं।

प्रदेश में पारे में बढ़ोतरी के साथ ही बिजली कटौती का दौर भी तेज हो गया है। शहरों में ट्रिपिंग और लो वोल्टेज से लोग परेशान हैं, वहीं ग्रामीण इलाकों में रोस्टर से करीब एक घंटे कम बिजली मिल रही है। बिजली कटौती बढ़ने की वजह से उमसभरी गर्मी में उपभोक्ताओं में हाहाकार मचा है। प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर उपकेंद्र घेरने और धरना-प्रदर्शन की भी सूचनाएं आ रही हैं। बिजली कटौती से ग्रामीण इलाकों के कल-कारखाने भी ठप हो गए हैं। सिंचाई न हो पाने की वजह से सब्जी की खेती भी प्रभावित हो रही है।

ग्रामीण इलाके के उपभोक्ताओं का कहना है कि बिजली आती है तो बीच-बीच में कटौती का दौर जारी रहता है। पॉवर कॉर्पोरेशन के आंकड़े भले आधे घंटे की कटौती का दावा कर रहे हैं, लेकिन लोकल फॉल्ट घंटों तक बना रहता है।

इतना ही नहीं जहां ट्रांसफॉर्मर जल गए हैं, उन्हें बदलने में कई दिन लग रहा है। कई अवर अभियंता तो इस वजह से भी ट्रांसफार्मर बदलने में आनाकानी करते हैं क्योंकि उनके क्षेत्र में ट्रांसफार्मर जलने की घटना से जुड़े आंकड़े अधिक होने पर कार्रवाई की धमकी दी गई है।

अभियंताओं के सामने आगे कुंआ, पीछे खाई

कई अभियंताओं ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि उनके सामने दोहरी समस्या हो गई है। ट्रांसफार्मर जलने की घटना पर कार्रवाई के साथ ही उपभोक्ताओं के गुस्से का भी शिकार होना पड़ता है। अभियंताओं ने बताया कि एक तरफ तापमान बढ़ रहा है तो दूसरी तरफ बिजली की मांग अधिक है। ऐसे में ट्रांसफार्मर ओवरलोड हो जाते हैं। उन्हें ठंडा रखने के इंतजाम भी पूरे नहीं हैं। ऐसे में कुछ देर के लिए फीडरवार कटौती की जाती है ताकि ट्रांसफार्मर जलने की संख्या नियंत्रित रहे।

ट्रांसफार्मर नहीं बदलने की शिकायतें

- गोंडा के ग्राम सभा धरमेई निवासी अमन तिवारी ने शिकायत की है कि धानेपुर में तीन दिन से ट्रांसफार्मर जला पड़ा है। शिकायत के बाद भी नहीं बदला गया।
- कुशीनगर के कप्तानगंज निवासी नीरज पांडेय ने पॉवर कॉर्पोरेशन की कस्टमर केयर सेवा पर की गई शिकायत में बताया कि उनके यहां चार दिन से ट्रांसफॉर्मर जला है।
- गाजीपुर के कैफ सिद्दकी ने की गई शिकायत में बताया कि ग्राम सभा दयालपुर में चार दिन से ट्रांसफार्मर जला पड़ा है। शिकायत के बाद भी नहीं बदला गया।
- फतेहपुर के विकास ने शिकायत करके बताया है कि अमौर में 20 दिन से ट्रांसफार्मर जला पड़ा है।

जिंदा हूं साहब! जिसे मृत समझ पोस्टमॉर्टम को भेजा, वो खुद थाने पहुंचा

बहन ने की लावारिस शव की गलत शिनाख्त, पुलिस भी रह गई हैरान

प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया

कानपुर। घाटमपुर में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक लावारिस शव को अजय शंखवार समझकर उसकी बहन ने शिनाख्त कर दी, जिसके बाद पुलिस ने पंचनामा भर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। लेकिन अगले ही दिन अजय खुद घाटमपुर थाने पहुंच गया और बोला 卐साहब, मैं जिंदा हूं!卐 यह सुनते ही पुलिसकर्मी दंग रह गए। अजय ने बताया कि वह भीतरगांव के एक ईंट भट्ठे में मजदूरी करता है और उसके पास मोबाइल नहीं है, जिससे घर वालों से संपर्क नहीं हो पाया।

थाने में मौजूद जीवित अजय शंखवार

पोस्टमॉर्टम रोका गया, अब फिर से होगी शव की पहचान

पुलिस के अनुसार, गुरुवार को घाटमपुर नगर के मुख्य चौराहे पर एक अज्ञात युवक का शव मिला था। शिनाख्त न होने पर पुलिस ने शव की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल कीं। इसी आधार पर अजय की बहन सुमन ने मृतक को अपना भाई समझ लिया।

सुमन का कहना था कि शव का चेहरा और कपड़े अजय जैसे थे, इसी वजह से उसने पहचान की। अब अजय के जिंदा होने की पुष्टि के बाद घाटमपुर पुलिस ने पोस्टमॉर्टम रुकवा दिया है। एसीपी कृष्णकांत यादव ने बताया कि लावारिस शव की अब दोबारा शिनाख्त करवाई जाएगी। वहीं दूसरी ओर अजय संखवार के निवास पर मचा हुआ कोहराम अब खुशी में तब्दील हो चुका है।

बच्चों के लिए एक जुलाई को खुलेंगे पर शिक्षकों को 16 जून से ही जाना होगा स्कूल

बेसिक शिक्षा विभाग के निर्देश से अभिभावकों ने राहत की सांस ली

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। यूपी में गर्मी का कहर जारी है। भीषण गर्मी और लू के थपेड़ों के बीच लोग जैसे तैसे गुजर-बसर कर रहे हैं। ऐसे में पहले से ही लोगों को बच्चों की चिंता थी। विभाग के निर्देश से अभिभावकों ने राहत की सांस ली है। अत्यधिक गर्मी एवं हीटवेव को देखते हुए स्कूलों में 30 जून 2025 तक पठन-पाठन के लिए छात्र-छात्राएं नहीं जायेंगी। एक जुलाई से स्कूल अपने निर्धारित समय पर नियमित खुलेंगे। पहले विद्यालय 16 जून 2025 से खुलने वाले थे मगर, प्रचंड गर्मी को देखते हुए शासन ने सिर्फ बच्चों के लिए छुट्टियां बढ़ाने का फैसला किया है। बेसिक शिक्षा सचिव सुरेंद्र कुमार तिवारी ने इस आशय का निर्देश शुक्रवार को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को जारी किया है। परिषदीय विद्यालयों में 20 मई से ग्रीष्मावकाश चल रहा है। स्कूल 15 जून 2025 तक बंद हैं मगर प्रचंड गर्मी को देखते हुए शिक्षक संगठनों ने गर्मी की छुट्टी बढ़ाने की मांग की थी। इसके बाद उ.प्र. बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव ने मौसम विभाग से मौसम के पूर्वानुमान का डाटा मांगकर आकलन किया। इसके बाद शुक्रवार को छुट्टियां बढ़ाने का निर्देश जारी कर दिया हालांकि निर्देश के मुताबिक अध्यापकों, शिक्षामित्रों और अनुदेशकों को 16 जून 2025 से ही विद्यालय जाना होगा और विद्यालय में उपस्थित रहकर शैक्षणिक, प्रशासकीय एवं अन्य विभागीय कार्यों को करना होगा। मान्यता प्राप्त विद्यालयों में विद्यालय प्रबंध समिति अपना निर्णय लेने के लिए अधिकृत है। वह अपने हिसाब से निर्णय ले सकते हैं।

बॉम्बे हॉस्पिटल
नियर आघू रोड, कानपुर-आगरा हाईवे, अकबरपुर, कानपुर देहात
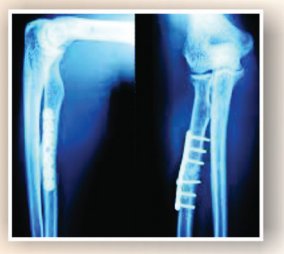

24 घंटे इमरजेंसी सुविधा
24 घंटे एम्बुलेंस व मेडिकल स्टोर की सुविधा
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार के ऑपरेशन
हेल्पलाइन नं.: 8355017999, 8858997333
हड्डी के सभी ऑपरेशन, गुर्दे की पथरी
पित्ताशय की पथरी, फिशर, नासूर
अपेन्डिक्स, प्रोस्टेट, कैंसर की गांठ, भगंदर
हर्निया, हाइड्रोसील, छाती का कैंसर
पेट की चोट व अन्य समस्याएं
बच्चेदानी व अण्डाशय की गांठ
घुटने का प्रत्यारोपण, पाइल्स (बवासीर)

डॉ. सुरेश यादव
डायरेक्टर

सीबीआई ने कानपुर ऑर्डिनेंस फैक्ट्री में मारा छापा

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर के कई सैन्य प्रतिष्ठान जांच एजेंसियों के निशाने पर हैं क्योंकि यहां पर कई बार गड़बड़ी की आशंकाएं सामने आई हैं। सीबीआई की लखनऊ एंटी करप्शन ब्रांच ने शुक्रवार को कानपुर की ऑर्डिनेंस फैक्ट्री का एकाएक निरीक्षण किया। टीम देर रात तक फैक्ट्री के दस्तावेजों को खंगालने में जुटी रही। टीम के साथ सेना के अफसर भी मौजूद रहे।

» औचक निरीक्षण कर वित्तीय मामलों से जुड़े दस्तावेजों की जांच पड़ताल की

» कानपुर स्थित कई सैन्य प्रतिष्ठान जांच एजेंसियों के निशाने पर

बताया जा रहा है कि सीबीआई ने कालपी रोड स्थित ऑर्डिनेंस फैक्टरी में वित्तीय अनियमितताओं का पता लगाने के लिए एकाएक निरीक्षण किया है। फिलहाल अधिकारी इस मामले में कुछ भी बताने से कतरा रहे हैं। हालांकि यह बात सामने आई है कि यह निरीक्षण शनिवार को भी जारी रहेगा। इसके बाद ही जांच में सामने आए तथ्यों की जानकारी हो सकेगी। बताते चलें कि कालपी रोड स्थित ऑर्डिनेंस फैक्टरी में तोप और गोलों का एक साथ निर्माण करती है। सैनिकों के लिए जूते समेत तमाम अन्य सामग्री का निर्माण भी होता है। सीबीआई यह पता लगा रही है कि फैक्टरी में कहीं कोई वित्तीय अनियमितता तो अंजाम नहीं दी जा रही है। बतातें चले कि मार्च माह में कालपी रोड स्थित आर्डिनेंस फैक्टरी में कार्यरत जूनियर वर्क्स मैनेजर (जेडब्लूएम) विकास कुमार को पाकिस्तानी के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। वह फैक्टरी से अहम जानकारियां और दस्तावेज पाकिस्तानी एजेंसी आईएसआई के एजेंट को भेज रहा था। वह पाकिस्तानी एजेंट नेहा शर्मा से फेसबुक के जरिये संपर्क में आया था।

ओईएफ में फर्जी हाजिरी का हो चुका खुलासा

कालपी रोड स्थित ऑर्डिनेंस फैक्ट्री में बीते माह फर्जी हाजिरी लगाने के मामले का बड़ा खुलासा हुआ था। इस मामले में कोलकाता में बैठे एक युवक की हाजिरी कानपुर में लगाई जा रही थी मामले का खुलासा होने के बाद भी कार्रवाई नहीं हो रही थी। प्रकरण को स्वराज इंडिया ने उठाया तो कई अधिकारी नप गए लेकिन अभी भी कई सवाल जिंदा हैं।

कानपुर में खराब स्वास्थ्य सेवाओं पर डीएम नाराज, सीएमओ के खिलाफ लिखी चिट्ठी

» डीएम में शासन को भेजी चिट्ठी में कहा कि कई बार निर्देशों के बाद भी सीएमओ नहीं करते हैं कार्रवाई

» भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रहे हैं सीएमओ

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर के ग्रामीण क्षेत्रों से में खराब स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने सीएमओ को हटाने की संस्तुति की है। उन्होंने प्रमुख सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण को पत्र लिखा है कि सीएचसी-पीएचसी, कांशीराम अस्पताल के निरीक्षण में मिलीं खामियों में सुधार करने और लापरवाह कर्मियों पर कार्रवाई के निर्देश देने के बाद भी सीएमओ हरिदत्त नेमी ने कोई कार्रवाई नहीं की

और वह डॉक्टरों के मनमाने तबादले भी कर रहे हैं। साथ ही डीएम ने पत्र में लिखा है कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत रिक्त पदों का विज्ञापन संबंधित विभाग की वेबसाइट पर जारी नहीं किया गया। वह डॉक्टरों के मनमाने तबादले भी कर रहे हैं। साथ ही डीएम ने पत्र में लिखा है कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत रिक्त पदों का विज्ञापन संबंधित विभाग की वेबसाइट पर जारी नहीं किया गया।

और इसके साथ ही साक्षात्कारों का परिणाम भी चार दिन के अंदर प्रस्तुत नहीं किया। साथ ही वित्त एवं लेखा सेवा से नामित वरिष्ठ वित्त एवं लेखाधिकारी डॉ. वंदना सिंह को वित्तीय परीक्षण एवं पदेन कार्यों से हटा दिया।

और इनके स्थान पर गैर वित्त सेवा कर्मी को नामित कर दिया। यही नहीं डॉ. आरएन सिंह, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी समेत अन्य डॉक्टरों के 10 दिन के अंदर नौ बार तबादले के आदेश जारी कर दिए।

फिर इसके साथ यह भी संज्ञान में आया कि सीएमओ डॉ. हरिदत्त नेमी कर्मचारियों का मानसिक व आर्थिक उत्पीड़न तथा भ्रष्ट आचरण को बढ़ावा दे रहे हैं।

तीन माह में जनपद की शासकीय स्वास्थ्य सेवाओं के केंद्रों का निरीक्षण किया गया, जिसमें पाया गया कि सीएमओ का प्रशासनिक नियंत्रण अत्यंत लचर व शिथिल है।

साथ ही निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित, लापरवाह व चिकित्सा अभिलेखों में मरीजों की फर्जी प्रविष्टियां करने वाले चिकित्सकों के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की गई। और यह सभी मामले बहुत ही गंभीर हैं। और इनको संज्ञान में लेकर कार्रवाई भी करें।

केडीए ने कैसे बेंची चारागाह की जमीन ?

» रूमा स्थित एक्सिस कॉलेज ऑफ इंस्टीट्यूट के निर्माण में सरकारी जमीन का खुलासा

» तहसील नर्वल से जारी किया गया जमीन खाली करने का नोटिस

» एक्सिस कॉलेज के सचिव राज कुशवाहा ने कहा कि हमे केडीए ने बेंचा, हाईकोर्ट जाएंगे

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर-प्रयागराज हाइवे किनारे वेशकीमती जमीन पर बने एक्सिस कॉलेज ऑफ इंस्टीट्यूट रूमा का प्रकरण गहराता जा रहा है। तहसीलदार ने करीब 20 बीघा जमीन भूमि चारागाह-सुरक्षित की बताकर खाली करने का नोटिस जारी किया है। इससे हडकंप मचा हुआ है। वहीं, प्रबंधतंत्र ने कहा है कि यह जमीन केडीए के द्वारा बेंची गई है। अब ऐसे में सवाल खडे हो रहे हैं कि अति सुरक्षित चारागाह की जमीन की बिक्री कैसे कर दी गई है।

स्वराज इंडिया www.swarajindianews.com कानपुर सिटी कानपुर, गुरूवार 12 जून, 2025 03

स्वराज इंडिया Xक्लूसिव

» नरवल की तहसीलदार ने कॉलेज प्रबंधन को नोटिस जारी कर करीब 20 बीघा जमीन खाली करने को कहा

» 15 वर्ष पूर्व सरकारी जमीन में हेराफेरी करके कॉलेज का निर्माण का दावा

» प्रबंधन ने धन, बल रसूक से सरकारी जमीन पर खडी कर दी इमारत

बड़ा खुलासा: चारागाह की जमीन पर बना रूमा का एक्सिस कॉलेज!

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। महानगर कानपुर में सरकारी जमीनों का जमकर बंदरबांट हुआ है। भूमाफियाओं ने अरबन सीलिंग, चारागाह और तालाब सहित अन्य सुरक्षित जमीनों के अभिलेखों के हेरीफेरी कर बेंच डाला है कहीं कहीं कब्जा करके बडे बडे प्रतिष्ठान खडे कर दिए गए हैं। योगी सरकार जमीन पर कब्जा करने वाले भूमाफियाओं पर सख्त एक्शन ले रही है। एक ताजा प्रकरण नरवल तहसील से सामने आया है, इसमे चारागाह की वेशकीमती जमीन पर इंजीनियरिंग कॉलेज खडा कर दिया गया है। मामले में नोटिस जारी की गई है। कार्रवाई कब और कैसे होगी यह समय की गर्त में है।

तहसील कार्यालय नरवल की एक रिपोर्ट के अनुसार कानपुर-प्रयागराज हाइवे पर रूमा के निकट सलमेपुर गांव मोड के पास एक्सिस कॉलेज ऑफ इंस्टीट्यूट निर्मित है। उक्त भूमि हाथीपुर ग्राम पंचायत के आराजी संख्या 30, 33, 34, 35 में चारागाह में दर्ज है।

कॉलेज प्रबंधन द्वारा करीब 20 बीघा जमीन पर कब्जाकर 15 वर्ष पूर्व निर्माण कर दिया गया था। प्रबंधन के रसूक और उंची पहुंच के कारण स्थानीय स्तर पर कोई शिकायत या विरोध नहीं करता है। इसका फायदा कॉलेज प्रबंधन ने जमकर उठाया।

बताया जा रहा है यूपी में सरकार बदलने पर कुछ शिकायतें ऑन लाइन तरीके से की गई लेकिन उनपर एक्शन नहीं लिया गया लेकिन तहसील नर्वल की कोर्ट में एक प्रत्यावेदन दिया गया। उसपर सुनवाई के तहत विधिक कार्रवाई तेज की गई है। वही इस संबंध में कॉलेज के प्रबंधन से संपर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन किसी से बात नहीं हो सकी।

तहसीलदार ने जारी की नोटिस

नरवल तहसील की तहसीलदार विनीत पांडेय ने बताया कि सरकारी जमीन कब्जा करने को लेकर न्यायालय द्वारा धारा 77 के तहत आदेश पारित कर दिया गया है। एक्सिस कॉलेज के सचिव राज कुशवाहा को नोटिस जारी कब्जा हटाने के लिए कहा गया है और जुर्माना भी लगाया गया है। समय सीमा बीतने पर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू की जाएगी।

विनीता पांडेय तहसीलदार

स्वराज इंडिया www.swarajindianews.com कानपुर सिटी कानपुर, शुक्रवार 13 जून, 2025 03

एक्सिस कॉलेज में खपाई गई बसपा नेता की ब्लैकमनी!

» रूमा स्थित एक्सिस कॉलेज ऑफ इंस्टीट्यूट के निर्माण में सरकारी जमीन में कब्जा के साथ ब्लैकमनी निवेश की आशंका

» 20 बीघा चारागाह की जमीन चिन्हित होने पर तहसीलदार ने जारी की है नोटिस

» नरवल की तहसीलदार की नोटिस से मचा हड़कंप

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। तहसील नर्वल के महाराजपुर थाना अंतर्गत चारागाह की वेशकीमती जमीन पर खडे एक्सिस कॉलेज ऑफ इंस्टीट्यूट रूमा की मुश्किलें बढ सकती है। तहसीलदार ने करीब 20 बीघा जमीन भूमि चारागाह(सुरक्षित) की बताकर तत्काल खाली करने के निर्देश दिए है। वहीं, इनपुट यह भी है कि इस कॉलेज के निर्माण में बसपा सरकार में प्रभावशाली नेता रहे एनआरएचएम घोटाले के आरोपी की बडी मात्रा में ब्लैकमनी खपाई गई थी। इसकी अगर आर्थिक अपराध एजेंसियों से जांच करवाई गई बड़ा खेल उजागर हो सकता है। हालांकि, स्वराज इंडिया ने इन तथ्यों की पुष्टि नहीं करता है।

कानपुर जिले के पूर्व में स्थित तहसील नरवल की एक रिपोर्ट के अनुसार कानपुर-प्रयागराज हाइवे पर रूमा के निकट सलमेपुर गांव मोड के पास एक्सिस कॉलेज ऑफ इंस्टीट्यूट निर्मित है। उक्त भूमि हाथीपुर ग्राम पंचायत के आराजी संख्या 30, 33, 34, 35 में चारागाह में दर्ज है। कॉलेज प्रबंधन द्वारा करीब 20 बीघा जमीन पर कब्जाकर 15 वर्ष पूर्व निर्माण कर दिया गया था। बताया जा रहा है कि तत्समय प्रबंधन के रसूक और उंची पहुंच के कारण स्थानीय स्तर पर कोई शिकायत या विरोध नहीं हुआ था। इसका फायदा कॉलेज प्रबंधन ने जमकर उठाया। बताया जा रहा है बीते कुछ माह पहले तहसील नर्वल की कोर्ट में एक व्यक्ति के द्वारा तथ्यों के साथ प्रत्यावेदन दिया गया। उसपर सुनवाई की गई तो जमीन सरकारी होने की पुष्टि हुई। इसके तहत विधिक कार्रवाई तेज की गई है। नरवल तहसील की तहसीलदार विनीत पांडेय ने मीडिया को बताया कि सरकारी जमीन कब्जा करने को लेकर न्यायालय द्वारा धारा 77 के तहत आदेश पारित कर दिया गया है। सरकारी जमीन से कब्जा हटाने के लिए कहा गया है और जुर्माना भी लगाया गया है। समय सीमा बीतने पर अगर कब्जा खाली नही हुआ तो अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू की जाएगी।

कौन हैं राज कुशवाहा

एक्सिस कॉलेज ऑफ इंस्टीट्यूट रूमा के सचिव राज कुशवाहा है। वही कॉलेज का मैनेजमेंट देखते है। राज कुशवाहा बसपा सरकार के कददावर पूर्व कैबिनेट मंत्री के करीबी रिश्तेदार है। मंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के नवरत्नों में शामिल थे, उस समय स्वास्थ्य विभाग का सबसे चर्चित घोटाला एनआरएचएम हुआ था, सीबीआई जांच हुई थी, इस दौरान केस में कई सीएमओ और स्वास्थ्य कर्मियों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। इसमें मंत्री का सीधा इनवॉल्व बताया गया था लेकिन मामला दब गया। इस संबंध में राज कुशवाहा से पक्ष जानने के लिए संपर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन बात नहीं हो सकी।

चारागाह जमीन की नहीं हो सकती है बिक्री

उप्र में चारागाह सुरक्षित भूमि की श्रेणियों में आती है। ऐसे में उसकी बिक्री और उसपर निर्माण सरकारी और निजी उपक्रम तक नहीं कर सकते हैं। विशेष परिस्थितियों में राज्य सरकार के अनुमोदन पर परिवर्तन किया जा सकता है। कानपुर में बडे पैमाने पर चारागाह की जमीनों को खुर्द-बुर्द कर दिया गया। एक्सिस कॉलेज को केडीए द्वारा किन परिस्थितियों में चारागाह की जमीन बेंची गई, यह जांच का विषय है। इस संबंध में नर्वल तहसील प्रशासन का कहना है कि केडीए को तहसील की ओर से पत्र भेजे गए लेकिन कोई जवाब नहीं दिया गया। प्रकरण को लेकर केडीए अफसरों से संपर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन बात नहीं हो सकी।

FOLLOW UP

कानपुर जिले के पूर्व में स्थित तहसील नरवल की एक रिपोर्ट के अनुसार कानपुर–प्रयागराज हाइवे पर सलमेपुर गांव मोड के पास एक्सिस कॉलेज ऑफ इंस्टीट्यूट निर्मित है। उक्त भूमि हाथीपुर ग्राम पंचायत के आराजी संख्या 30, 33, 34, 35 में चारागाह में दर्ज है। कॉलेज प्रबंधन द्वारा करीब 20 बीघा जमीन पर काबिज है। हालांकि, वह जमीन खाली पडी हुई है। एक वाद की सुनवाई में नरवल की तहसीलदार ने सुनवाई की तो जमीन सरकारी होने की पुष्टि हुई। इसके तहत विधिक कार्रवाई तेज की गई है। राजस्व के विधिक सलाहकारों से परामर्श कर सरकारी जमीन पर कब्जा करने को लेकर तहसील न्यायालय द्वारा धारा 77 के तहत आदेश पारित किया गया है। चारागाह की जमीन से कब्जा हटाने के लिए कहा गया है और जुर्माना भी लगाया गया है। तहसील प्रशासन का कहना है कि नोटिस की समय सीमा बीतने पर अगर कब्जा खाली नहीं हुआ तो अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू की जाएगी।

तहसील प्रशासन का कहना है कि चारागाह की जमीन की बिक्री नहीं हो सकती है, इसपर उच्चाधिकारियों को भी अवगत कराया गया है। ऐसे में केडीए के अधिकारी भी फंस सकते हैं।

वहीं, इस प्रकरण को लेकर कॉलेज के सचिव राज कुशवाहा से पक्ष जानने के लिए मोबाइल फोन से संपर्क किया। उन्होने कहा कि केडीए के बल्क सेल से उक्त जमीन खरीदी है। यह केडीए को देखना चाहिए कि चारागाह की जमीन है। मेरे से कोई मतलब नहीं है, तहसील की नोटिस को लेकर मै कोर्ट जाउंगा।

रंगदारी मांगने वाले का चेहरा उजागर, 50 की जगह 10 लाख मांगे

पुलिस की सुरक्षा में बिल्हौर गया कारोबारी,सीसीटीवी के जरिए हो रही है जांच

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। बिल्हौर के सराफा कारोबारी पर फायर कर 50 लाख की रंगदारी मांगने के मामले में बदमाश को चेहरा सामने आ गया है। कारोबारी का पीछा करने के दौरान उसने अपना हेलमेट उतारा था।

कानपुर के गोविंदनगर में सराफा कारोबारी पर फायर कर रंगदारी मांगने वाले का चेहरा सामने आ गया है। कारोबारी का पीछा करते समय उसका चेहरा शिवराजपुर के नेवादा टोल प्लाजा में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। पुलिस ने जब पूरी सीसीटीवी फुटेज खंगाली, तो एक जगह बाइक सवार बदमाश प्लाजा पर खड़ा दिख गया।

कारोबारी का पीछा करने के दौरान उसने अपना हेलमेट उतारा था। पुलिस अब चेहरे के आधार पर उसकी तलाश कर रही है। गोविंदनगर के क्यू–ब्लाक निवासी सराफा कारोबारी अनिल कुमार गुप्ता की बिल्हौर में सेठ रामकुमार गुप्ता ज्वैलर्स के नाम से दुकान हैं।

टोल प्लाजा में हेलमेट उतारने की फुटेज मिली

रविवार रात रात 9:30 बजे बिल्हौर से लौटते समय पीछा करके आए बाइक सवारों ने उनपर गोली चला दी। इसके बाद कॉल कर 50 लाख रुपये की रंगदारी मांगी थी। पुलिस जांच में बदमाशों के शिवराजपुर टोल प्लाजा में हेलमेट उतारने की फुटेज मिली। हेलमेट उतारने की वजह से बदमाश का चेहरा दिख गया।

कहा था– कम से कम 10 लाख चाहिए

उधर, बेखौफ लुटेरों ने गुरुवार को भी फोन कर पीड़ित को धमकाया और रंगदारी मांगी। कारोबारी ने कहा कि सिर्फ 5.5 लाख रुपये ही दे पाएंगे। इस पर बदमाशों ने कम से कम दस लाख रुपये का जुगाड़ करने को कहा। कारोबारी ने असमर्थता जताई, तो बदमाश ने फोन काटकर स्विच ऑफ कर दिया।

लगातार प्रयास कर रही हैं टीमें

जिन दो मोबाइल नंबरों से काल की गई, उसमें एक उन्नाव की रिपेयरिंग दुकान से चोरी हुआ था। वहीं, दूसरा ओडिशा के रहने वाले मेट्रो कर्मी की आईडी पर लिया गया है। डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि टीमें लगातार प्रयास कर रहीं हैं सराफा कारोबारी अनिल शुक्रवार को पुलिस के सुरक्षा घेरे में बिल्हौर स्थित दुकान पहुंचे।

स्वराज इंडिया

www.www.swarajindianews.com.com

वैचारिक मंच

सम्पादकीय

आक्रामक इस्राइली कार्रवाई से भारी तबाही

सुनियोजित व ठोस खुफिया जानकारियों के साथ इस्राइल ने ईरान के परमाणु ठिकानों व शीर्ष सैन्य अधिकारियों पर बड़े सधे हमले किए हैं। ईरान के नतान्ज स्थित मुख्य परमाणु संवर्धन केंद्र को भी निशान बनाया गया। शुक्रवार की सुबह इस्राइल ने 'ऑपरेशन राइजिंग लायन' के जरिये वायु रक्षा प्रणाली व मिसाइलों को ध्वस्त करते हुए ईरान के हवाई क्षेत्र में सैकड़ों लड़ाकू जहाजों के जरिये भारी तबाही मचायी। इस्राइली खुफिया एजेंसी मोसाद की बड़ी भूमिका वाले इस ऑपरेशन के जरिये न केवल ईरान की मिसाइल क्षमता को कमजोर किया बल्कि हवाई रक्षा प्रणाली को भी बेअसर किया। जिसके बाद इस्राइली एयरफोर्स ने ताबड़तोड़ हमलों से ईरानी वायुक्षमता को बेदम कर दिया। लंबी खुफिया तैयारी के साथ इस्राइल ने ईरान के भीतर विस्फोटक ड्रोन बेस स्थापित किए और शुक्रवार तड़के इन ड्रोन ने ईरान के सैन्य ठिकानों में तबाही मचा दी। जिससे ईरान को भारी नुकसान उठाना पड़ा। इस्राइल ने ईरान के सुरक्षा प्रतिष्ठानों, सैन्य अधिकारियों और परमाणु कार्यक्रम से जुड़े वैज्ञानिकों व प्रमुख लोगों पर लंबी तैयारी के बाद सटीक हमले किए। कई बड़े अधिकारियों को उनके घरों में ही मार दिया गया। दरअसल, इस्राइल का मानना था कि ईरान परमाणु हथियार बनाने के करीब है। यहां तक कि परमाणु कार्यक्रम की निगरानी करने वाली संस्था आईएईए ने स्पष्ट शब्दों में ईरान पर परमाणु अप्रसार समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया था। हमले में सेना प्रमुख के अलावा ईरानी सेना की सबसे ताकतवर शाखा रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के कमांडर हौसेन सलामी को भी मार डाला गया। हमले में न केवल यूरेनियम संवर्धन प्रतिष्ठान पर हमला किया गया, बल्कि कई परमाणु वैज्ञानिकों को भी मार दिया गया। ईरान ने इस्राइल पर नागरिक ठिकानों पर हमला करने के आरोप लगाए। उत्तर पूर्वी ईरान के अलावा नतांज परमाणु केंद्र पर भी धमाके सुने गए। जहां इस्राइल इन हमलों को अपने अस्तित्व को बचाने की कार्रवाई बता रहा है, वहीं ईरान जवाबी कार्रवाई कर शीघ्र बदला लेने की बात कर रहा है।

वहीं दूसरी ओर इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान को चेताया है कि जब तक ईरान की ओर से खतरे की आशंका खत्म नहीं हो जाती, ये हमले आगे भी जारी रहेंगे। दरअसल, इस्राइल का मानना रहा है कि ईरान संवर्धित यूरेनियम से परमाणु हथियार बनाने के करीब है, जो उसके अस्तित्व के लिये चुनौती है। इस्राइल ने ईरान पर उसके क्षेत्र में सैकड़ों ड्रोन दागने के भी आरोप लगाये हैं। वहीं दूसरी ओर ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई ने अमेरिका व इस्राइल को गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी है।साथ ही दो महत्वपूर्ण परमाणु वैज्ञानिकों के मारे जाने की पुष्टि की गई है। दरअसल, ईरान अमेरिका व इस्राइल के दावों को खारिज करते हुए कहता रहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिये है। जबकि अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की दलील है कि ईरान की बातों पर विश्वास नहीं किया जा सकता।

वह संवर्धित यूरेनियम से जुड़े प्रश्नों के तार्किक जवाब नहीं दे पाया है। कहा जा रहा है कि ईरान के गुप्त परमाणु ठिकानों का पता चलने के बाद उसके परमाणु कार्यक्रम की मंशा संदिग्ध बन गई है। उसने संवर्धित यूरेनियम भंडार के बारे में सटीक जानकारी भी नहीं दी। आईएईए की एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि ईरान इतना यूरेनियम संवर्धित कर चुका है कि वह नौ परमाणु बना सकता है। हालांकि, अमेरिकी विदेश मंत्री इस हमले में अमेरिका की सीधी भूमिका होने से इनकार कर रहे हैं।

रक्तदान को जन आंदोलन बनाने की जरूरत

चैतनादित्य आलोक

देश के लिए जरूरी रक्त का लगभग 15 प्रतिशत हिस्सा अनुपलब्ध रहता है। यह कमी तब अधिक गंभीर हो जाती है, जब एनीमिया जैसी स्वास्थ्य समस्याएं देश की बड़ी आबादी, विशेषकर महिलाओं और बच्चों को बुरी तरह प्रभावित करती हैं।रक्त के बिना मानव शरीर हाड़-मांस के एक ढांचे से अधिक नहीं होता। वहीं, शरीर के सुचारु रूप से कार्य करने के लिए पर्याप्त रक्त की जरूरत होती है। यदि शरीर में रक्त का अभाव हो जाए तो व्यक्ति का जीवन खतरे में पड़ जाता है। वहीं, दुर्घटनाओं, जटिल सर्जरी, कैंसर के उपचार, थैलेसीमिया और हीमोफीलिया जैसे गंभीर रोगों से जूझ रहे रोगियों के लिए रक्त की उपलब्धता जीवन और मृत्यु का प्रश्न बन जाती है। जाहिर है कि यदि किसी बीमार या जरूरतमंद व्यक्ति को जरूरत के समय रक्त न मिले तो उसकी जान भी जा सकती है।

यह विडंबना ही है कि आज दुनियाभर के निम्न और मध्यम आय वाले देशों में, रक्त की उपलब्धता में एक गंभीर और चिंताजनक असमानता बनी हुई है। गौरतलब है कि रक्त किसी कारखाने में नहीं बनता, बल्कि यह केवल एक स्वस्थ मानव शरीर में ही पैदा होता है। ऐसे में, केवल स्वस्थ व्यक्तियों द्वारा किए जाने वाले रक्तदान से ही रक्त की कमी को पूरा किया जा सकता है। बता दें कि यदि रक्त की कमी को दूर कर लिया जाए तो प्रत्येक वर्ष जो 12000 भारतीय समय पर रक्त नहीं मिलने के कारण मर जाते हैं, उनकी जान बचाई जा सकती है।विश्व स्वास्थ्य संगठन ने महान वैज्ञानिक और चिकित्सक कार्ल लैंडस्टाईन के जन्मदिन 14 जून को 'विश्व रक्तदाता दिवस' के रूप में मनाए जाने की शुरुआत 1997 में की थी। कार्ल लैंडस्टाइन ने मानव रक्त में उपस्थित एग्ल्युटिनिन की मौजूदगी के आधार पर रक्तकणों का 'ए', 'बी' और 'ओ' समूहों में वर्गीकरण कर चिकित्सा विज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। इस महत्वपूर्ण खोज के लिए उनको सन? 1930 में शरीर विज्ञान में नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया था। विश्व रक्तदाता दिवस को लेकर डब्ल्यूएचओ का लक्ष्य दुनियाभर में सौ प्रतिशत स्वैच्छिक रक्तदान कार्यक्रम को सफल बनाना था। इसीलिए उसने इस कार्यक्रम में दुनिया के 124 प्रमुख देशों को शामिल कर उनसे स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने की अपील की थी। तब इस कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य लोगों को रक्तदान करने के लिए प्रोत्साहित करना तथा रक्तदान से जुड़ी दुनियाभर में व्याप्त भ्रांतियों को दूर करना था। विश्व रक्तदाता दिवस का वास्तविक उद्देश्य जरूरतमंद लोगों तक रक्त उपलब्ध कराना ही रहा है, ताकि रक्त के अभाव में किसी व्यक्ति की जान न जाए। साथ ही रक्त की आवश्यकता पड़ने पर किसी को रक्त खरीदने की नौबत न आए।

विडंबना है कि कई देशों में आज भी रक्त की खरीद-बिक्री का बाजार गर्म पाया जाता है। दुर्भाग्य से, इस सूची में भारत का नाम भी शामिल है, जबकि ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया आदि देशों में लोग बिना पैसे लिए स्वैच्छिक रक्तदान करते हैं। हालांकि, तमाम विसंगतियों के बावजूद, रक्तदान को लेकर विभिन्न संस्थाओं एवं व्यक्तियों द्वारा विभिन्न स्तरों पर उठाए गए कदमों के कारण भारत में स्वैच्छिक रक्तदान को काफी बढ़ावा मिला है।

चिकित्सकों का स्पष्ट मत है कि 18 वर्ष से अधिक एवं 65 वर्ष से कम उम्र का कोई भी स्वस्थ व्यक्ति रक्तदान कर सकता है। रक्तदान करने वाले व्यक्ति का वजन 45 किलोग्राम से अधिक होना चाहिए। एचआईवी से संक्रमित व्यक्ति को भूल से भी रक्तदान नहीं करना चाहिए। इसके अलावा, यदि किसी व्यक्ति को पूर्व में हेपेटाइटिस-बी या हेपेटाइटिस-सी जैसे रोग हुए हों, तो उसे भी रक्तदान नहीं करना चाहिए। रक्तदान करने से पहले व्यक्ति को प्रोटीनयुक्त आहार लेना चाहिए। साथ ही, शरीर में आयरन की मात्रा भरपूर रखने के लिए रक्तदाता को आयरनयुक्त वस्तुओं यथा किशमिश, पालक आदि का सेवन करना चाहिए।

एक बार के रक्तदान में रक्त की पूर्ति शरीर चौबीस घण्टे के भीतर स्वयं ही कर लेता है, जबकि रक्त की गुणवत्ता की पूर्ति रक्तदान के 21 दिनों के भीतर हो जाती है। जो व्यक्ति नियमित रक्तदान करते हैं, उन्हें हृदय सम्बन्धी बीमारियां कम सताती हैं। वहीं, मानव रक्त की संरचना ऐसी होती है कि उसमें मौजूद रहने वाली लाल रक्त कोशिकाएं प्रत्येक तीन महीने में स्वयं ही मर जाती हैं। तात्पर्य यह कि प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति के लिए तीन महीने में एक बार रक्तदान करना लाभप्रद होता है।

भारत में आज भी रक्त की कमी एक गंभीर चुनौती बनी हुई है, जो लाखों जिंदगियों के लिए खतरा साबित होने लगी है। आंकड़ों के अनुसार, देश में सालाना लगभग 1.3 करोड़ यूनिट रक्त की आवश्यकता होती है। इसके बावजूद, प्रत्येक वर्ष देशवासियों को लगभग 19 लाख यूनिट रक्त की कमी का सामना करना पड़ता है। तात्पर्य यह कि देश के लिए जरूरी रक्त का लगभग 15 प्रतिशत हिस्सा अनुपलब्ध रहता है। यह कमी तब अधिक गंभीर हो जाती है, जब एनीमिया जैसी स्वास्थ्य समस्याएं देश की बड़ी आबादी, विशेषकर महिलाओं और बच्चों को बुरी तरह प्रभावित करती हैं। हालांकि, विडंबना यह भी है कि इस गंभीर कमी के बावजूद, रख-रखाव की कमी, अपर्याप्त भंडारण सुविधाओं और लॉजिस्टिक्स संबंधी चुनौतियों के कारण दान किए गए रक्त का एक बड़ा हिस्सा बर्बाद हो जाता है।

सुंदर सपनों का असमय टूट जाना

विमान हादसा

प्रमोद जोशी

एक दुर्घटना के साथ अनेक कहानियों, उपन्यासों और महाकाव्यों का अंत एक झटके में हो जाता है। इनमें से कुछ का ज़िक्र अखबारों और चैनलों में होता है और बहुत-सी कहानियां बगैर किसी चर्चा के खत्म हो जाती हैं। ज्यादातर के भीतर छिपी गहरी वेदना अव्यक्त रह जाती है।

दुर्घटनाओं में हताहतों की सूची कुछ संख्याओं और कुछ नाम और पतों की जानकारी देती है। इनसे जुड़ी कहानियां और भावनाएं छिपी रह जाती हैं। हरेक प्रभावित व्यक्ति के साथ संबंधों-संपर्कों और भावनाओं का लंबा सिलसिला होता है। एक दुर्घटना के साथ अनेक कहानियों, उपन्यासों और महाकाव्यों का अंत एक झटके में हो जाता है।

इनमें से कुछ का ज़िक्र अखबारों और चैनलों में होता है और बहुत-सी कहानियां बगैर किसी चर्चा के खत्म हो जाती हैं। ज्यादातर के भीतर छिपी गहरी वेदना अव्यक्त रह जाती है। ज्यादा से ज्यादा एक या दो दिन हम इन्हें याद रखते हैं और फिर दुनिया आगे बढ़ जाती है।भारत के छोटे-छोटे गांवों और कस्बों के छोटे-छोटे लोगों की उम्मीदों, सपनों और दुश्वारियों की किताबें खुल रही हैं। ड्राइंग रूमों से लेकर सड़क किनारे पड़ी मचिया (मंजी) के पास रखे टीवी सेट पर उम्मीदों की टकटकी लगाए करोड़ों लोग इसमें शामिल हैं। ऐसे में कुछ दुखभरी खबरें सुनाई पड़ती हैं, तो मन खिन्न हो जाता है। ऐसा ही कुछ अहमदाबाद में हुई विमान-दुर्घटना के बाद सुनाई पड़ रहा है।

इस हादसे में बचे एकमात्र यात्री विश्वास कुमार रमेश की कहानी भी अकल्पनीय है। वे कैसे बचे, वे खुद नहीं जानते। रमेश के भाई ने बताया कि दुर्घटना के कुछ समय फोन कॉल में रमेश ने अपने परिवार से कहा, मुझे नहीं पता कि मैं कैसे जीवित हूं। दूसरी तरफ इस दुर्घटना ने तमाम सपनों को तोड़ा और घर-परिवारों में विषाद की गहरी लकीर खींच दी। ऐसी तमाम कहानियां अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना के साथ खत्म हो गईं। इनमें राहत और बचाव से जुड़ी सकारात्मक कहानियां भी शामिल हैं।

सेवानिवृत्ति से कुछ महीने दूर एक पायलट, ग्यारह वर्ष से अधिक अनुभव वाली एक फ्लाइट अटेंडेंट, केबिन क्रू में शामिल दो मणिपुरी लड़कियों की कहानी और पनवेल की एक युवा फ्लाइट अटेंडेंट जो अपने गांव की असंख्य युवा लड़कियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई थी। वे उन 12 सदस्यीय चालक दल में शामिल थे, जो एयर इंडिया के इस ड्रीमलाइनर के साथ काल-कवलित हो गए। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की भी अहमदाबाद विमान हादसे में मौत हो गई। वे अपनी पत्नी अंजलि और बेटी से मिलने जा रहे थे।60 वर्षीय कैप्टन सुमीत सभरवाल, विमान में सवार सबसे वरिष्ठ चालक दल के सदस्य थे। लंबे समय से पायलट रहे सभरवाल अपने 90 वर्षीय पिता के साथ पवई के जलवायु विहार में रह रहे थे। पड़ोसियों के अनुसार, वह रिटायर होने से बस कुछ ही महीने दूर थे और उन्होंने अपने बूढ़े पिता के साथ घर पर अधिक समय बिताने की योजना बनाई थी। जलवायु विहार के एक पड़ोसी ने बताया, वे बहुत ही रिज़र्व रहने वाले और अनुशासित व्यक्ति थे। हम अक्सर उन्हें वर्दी में आते-जाते देखते थे। उनकी मौत से न केवल उनके परिवार बल्कि पवई के आवासीय समुदाय को भी सदमा लगा है, जहां वे कई सालों से रह रहे थे।

महाराष्ट्र के बदलापुर के दीपक पाठक विमान के फ्लाइट असिस्टेंट थे। ग्यारह साल से भी ज़्यादा समय से एयरलाइन के समर्पित कर्मचारी दीपक किसी भी उड़ान से पहले घर पर फ़ोन करना नहीं भूलते थे। उन्होंने गुरुवार को भी ऐसा ही किया।

नशेबाज पति ने पत्नी पर फावड़े से किया हमला,पत्नी की मौत-आरोपी गिरफ्तार

» गुरुवार रात नशे में कहासुनी के बाद पति ने पत्नी पर फावड़े से किया हमला

» शुक्रवार को इलाज के दौरान रूबी की सांसे थम गईं

» पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर जेल भेजा

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर(कानपुर)। ककवन थाना क्षेत्र के नदीहा बुजुर्ग गांव में एक नशेबाज पति ने मामूली कहासुनी के बाद पत्नी पर फावड़े से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना गुरुवार रात की है।

घायल महिला रूबी को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहाँ से प्राथमिक उपचार के बाद उसे हैलट अस्पताल, कानपुर रेफर किया गया।

इलाज के दौरान शुक्रवार को रूबी की मौत हो गई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। ससुर की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी पति बराती लाल के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस की गिरफ्त में हत्यारोपी पति

मृतका रूबी की फाइल फोटो

जानकारी के मुताबिक बराती लाल नशे का आदी है और अक्सर पत्नी से झगड़ा करता था। गुरुवार रात भी वह नशे में घर आया और कहासुनी के दौरान उसने रूबी पर फावड़े से वार कर दिया।

जिससे वह गंभीर रुप से घायल हो गई और कानपुर हैलट में इलाज के दौरान शुक्रवार को उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपित पति को हरनू मोड़ के पास से गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई के बाद जेल भेज दिया है।

गंगा स्नान के दौरान तीन युवक डूबे, एक लापता

» सरैया घाट पर नहाने गए थे तीन युवक, गहराई में जाने से हादसा

» स्थानीय लोगों ने दो को बचाया, एक की तलाश जारी, मौके पर पुलिस मौजूद

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर। शनिवार को शिवराजपुर थाना क्षेत्र के खेरेश्वर सरैया घाट पर गंगा स्नान के दौरान तीन युवक गहरे पानी में चले जाने से डूबने लगे। युवकों की चीख-पुकार सुनकर मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए दो युवकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जबकि एक युवक अभी भी लापता है।

घटना की जानकारी लेते एसीपी अमरनाथ यादव

जानकारी के अनुसार, डूबने वाले तीनों युवक जनपद उन्नाव के निवासी हैं। आलोक, जो अपने मामा के घर लवानी गांव आया था, अपने चचेरे भाइयों अमन और अभय तिवारी के साथ सरैया घाट स्नान के लिए गया था। स्नान करते समय तीनों अचानक गहरे पानी में चले गए।

घाट पर मौजूद ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए आलोक और अमन को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, लेकिन अभय तिवारी का अब तक कोई सुराग नहीं लग सका है। घटना की सूचना मिलते ही परिजन और एसीपी अमर नाथ यादव समेत स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई।

ख़बर लिखे जाने तक गंगा में लापता तीसरे युवक की तलाश जारी थी।

नेपाल से हो रही थी कानपुर में चरस की तस्करी

» छह किलो चरस के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। रेलबाजार थाना पुलिस ने शुक्रवार को नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो चरस तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से छह किलो चरस बरामद की गई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब छह लाख रुपये बताई जा रही है।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राम बालक और राम विनय के रूप में हुई है, जबकि एक अन्य व्यक्ति हरिओम को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। प्रारंभिक जांच में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे चरस की तस्करी नेपाल से करते थे और उसे कानपुर लाकर छोटी-छोटी पुड़ियों में पैक कर शहर के युवाओं को बेचते थे।

जानकारी देती हुए पुलिस अधिकारी

इस तरह वे युवाओं को नशे की लत में धकेलते थे।रेलबाजार थाना प्रभारी ने बताया कि पकड़े गए तीनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। साथ ही,

तस्करी के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश भी शुरू कर दी गई है। पुलिस गिरोह के नेटवर्क, सप्लाई चैन और विदेशी संपर्कों की गहनता से जांच कर रही है।

सेंट्रल स्टेशन से लापता बच्चे को जीआरपी ने खोज निकाला

दो वर्षीय बच्चा हुआ था लापता, जीआरपी ने सुरक्षित परिजनों से मिलाया

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। जीआरपी थाना, कानपुर सेंट्रल पर 12 जून 2025 को लगभग शाम 4 बजे बिहार के जमुई जिले के धधौरा गांव निवासी करपू मांझी ने सूचना दी कि उनका दो वर्षीय पुत्र राजवीर प्लेटफॉर्म संख्या 4/5 से लापता हो गया है। वह अपने परिवार के साथ कानपुर से गया जाने की यात्रा कर रहे थे।सूचना मिलते ही थाना प्रभारी को अवगत कराते हुए रात्रि अधिकारी और क्यूआरटी टीम को सक्रिय किया गया। प्लेटफॉर्म संख्या 4/5 पर तैनात मुख्य आरक्षी को तत्काल बच्चे की तलाश में लगाया गया। टीम द्वारा तत्काल सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई और प्लेटफॉर्म पर व्यापक सर्च अभियान चलाया गया।कुछ ही देर में राजवीर को प्लेटफॉर्म संख्या 4/5 पर दिल्ली साइड की ओर स्थित पैदल पुल के पास टहलते हुए सुरक्षित पाया गया। बच्चे को थाने लाकर उसकी पहचान करवाई गई, जिसे करपू मांझी ने अपना पुत्र बताया।

बाद में बच्चे को परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। परिजन बच्चे को पाकर अत्यंत प्रसन्न हुए और जीआरपी पुलिस के त्वरित व संवेदनशील प्रयासों की सराहना की।

ग्राम समाज की जमीन पर कब्जा, अफसरों की मौन सहमति

» कल्याणपुर ब्लॉक के सम्भरपुर गांव में महिला कर रही कब्जा, लेखपाल पर संरक्षण का आरोप

प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया

कानपुर। कल्याणपुर ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले ग्राम सम्भरपुर में ग्राम समाज की जमीन पर अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। आरोप है कि गांव की एक महिला शिवकली द्वारा इस जमीन पर लगातार निर्माण कार्य कराया जा रहा है।

सूत्रों के मुताबिक, यह पूरा निर्माण कार्य क्षेत्रीय लेखपाल की मूक सहमति और संरक्षण में हो रहा है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस मामले की जानकारी प्रशासन को भी है, फिर भी कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

इससे साफ संकेत मिलते हैं कि इस प्रकरण के पीछे गंभीर स्तर पर भ्रष्टाचार और मिलीभगत हो सकती है। ग्राम समाज की सुरक्षित भूमि पर ऐसा अतिक्रमण प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। ग्रामीणों में रोष है और वे जल्द कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

प्यार में पागलपन: प्रेमिका पर हमला कर प्रेमी ने खुद को मारी गोली

» वाद-विवाद के बाद धारदार हथियार से प्रेमिका पर किया जानलेवा हमला

» पुलिस के सामने खुद की कनपटी पर गोली मारकर की आत्महत्या, इलाके में मचा हड़कंप

» प्रेमिका के गले पर किया हमला, मौके पर मची चीख-पुकार

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। रनियां थाना क्षेत्र के सुंदरनगर मोहल्ले में शनिवार सुबह दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। कुंदन गोस्वामी, निवासी भवानीपुर, थाना गुरसहायगंज (कन्नौज), अपनी प्रेमिका प्रिंसी अवस्थी के घर पहुंचा और किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इसी दौरान कुंदन ने धारदार हथियार (बाका) से युवती के गले पर वार कर दिया। युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। प्रिंसी के पिता ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। 112 पर दी गई कॉल के बाद मौके पर पहुंची पुलिस के सामने ही युवक ने खुद को गोली मार ली। घायल युवती को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के रिकॉर्ड में पहले से दर्ज था मामला, पुरानी रंजिश बनी वजह

पुलिस जांच में सामने आया कि कुंदन और प्रिंसी के बीच पहले से प्रेम-प्रसंग था। बीते 13 दिसंबर 2024 को युवती के पिता ने कुंदन पर बेटी को बहला-फुसलाकर भगाने का मुकदमा दर्ज कराया था। 21 जनवरी 2025 को पुलिस ने दोनों को बरामद कर लिया था, लेकिन युवती ने कोई बयान नहीं दिया, जिसके चलते उसे परिवार को सौंप दिया गया। इसके बाद भी युवती 3 फरवरी को फिर से लापता हो गई, और 5 फरवरी को फिर से बरामद कर सीडब्ल्यूसी के आदेश पर उसे घर भेजा गया।शनिवार को कुंदन ने वारदात को अंजाम देकर पूरे इलाके में सनसनी फैला दी। एसपी अरविंद मिश्रा और थाना प्रभारी संजय गुप्ता ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की है। मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और मामले की गहन छानबीन की जा रही है।

मृतक कुंदन की फाइल फोटो

एक ही रात दो घरों में सेंध, 25 लाख के जेवरात पर हाथ साफ

छत से दाखिल हुए चोर, अलमारी के ताले तोड़ उड़ाए जेवर और कीमती सामान

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। गजनेर थाना क्षेत्र के ग्राम लोहारी में चोरों ने एक ही रात दो घरों को निशाना बनाकर लगभग 25 लाख रुपये की चोरी को अंजाम दिया। पंकज सिंह और गोरेलाल सिंह के घरों में चोरों ने छत के रास्ते और जाल काटकर प्रवेश किया। पीड़ितों ने बताया कि रात में वे बरामदे में सो रहे थे, तभी चोर घर के भीतर घुस गए। सुबह करीब चार बजे जब पंकज सिंह की मां उठीं तो देखा कि घर के सारे कमरे खुले हुए थे, सामान बिखरा पड़ा था और अलमारी के ताले टूटे हुए थे। अलमारी में रखे सभी सोने के गहने और नकदी गायब थे।

112 पर दी गई सूचना, फॉरेंसिक और डॉग स्क्वायड ने की जांच

घटना की जानकारी मिलते ही 112 नंबर पर सूचना दी गई, जिसके बाद मौके पर पहुंची गजनेर थाना पुलिस, फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड ने जांच शुरू की। पीड़ितों ने बताया कि चोरों ने बेहद शातिर तरीके से वारदात को अंजाम दिया। बीएसएफ में तैनात भाई के कमरे से भी कीमती गहने व जरूरी दस्तावेज चुरा लिए गए। इसी तरह गोरेलाल सिंह के घर में भी छत से प्रवेश कर चोरों ने अलमारी तोड़कर गहने व सामान चुरा लिए।

स्थानीय लोगों ने बताया कि यह इलाके की अब तक की सबसे बड़ी चोरी है, जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने पुलिस से शीघ्र खुलासा करने की मांग की है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

ड्यूटी के दौरान पड़ा अटैक, मणिपुर में जवान ने लीं अंतिम सांसें

कानपुर देहात के गुरुशरण को सैनिक सम्मान के साथ अंतिम विदाई, गांव गूंजा फौजी अमर रहें

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। डेरापुर थाना क्षेत्र के बिजाहरा गांव निवासी सीआरपीएफ सूबेदार गुरुशरण मणिपुर में ड्यूटी के दौरान हृदयगति रुकने से शहीद हो गए। बुधवार को इंफाल में ड्यूटी के दौरान उन्हें सीने में तेज दर्द हुआ, हालत बिगड़ने पर उन्हें आर्मी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली।

शुक्रवार तड़के करीब 2 बजे उनका पार्थिव शरीर पैतृक गांव पहुंचा, जहां सैनिक सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम विदाई में ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी और गांव गुरुशरण फौजी अमर रहें के नारों से गूंज उठा। भाई जयकरण ने शहीद को मुखाग्नि दी।

पिता रामसनेही, माता रामवती, भाई अश्वनी कुमार और छोटे भाई जयकरण का रो-रोकर बुरा हाल है। पूरे गांव में शोक की लहर फैल गई। नम आंखों से ग्रामीणों ने अपने वीर सपूत को अंतिम विदाई दी। डेरापुर थाना पुलिस भी सम्मान के साथ मौजूद रही।

साइकिल से खेत जा रहे किसान को डीसीएम ने रौंदा, मौके पर मौत

कानपुर देहात के डीघ गांव के पास हुआ दर्दनाक हादसा, चालक वाहन छोड़कर फरार

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर थाना क्षेत्र के कालपी रोड पर स्थित डीघ गांव के पास शनिवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। खेत जा रहे किसान राम प्रकाश (55) को पीछे से आ रही तेज रफ्तार डीसीएम ने टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।जानकारी के अनुसार, डीघ गांव निवासी राम प्रकाश रोज की तरह साइकिल से खेतों की ओर जा रहे थे। जैसे ही वह कालपी रोड हाईवे पार कर रहे थे, पीछे से आ रही तेज रफ्तार डीसीएम ने सीधी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि राम प्रकाश ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।हादसे के बाद वाहन चालक डीसीएम छोड़कर फरार हो गया। राहगीरों ने तत्काल घटना की सूचना भोगनीपुर थाना पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची, शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।किसान की मौत से गांव में शोक की लहर फैल गई है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने घटना को लेकर गहरी नाराजगी जताई है और प्रशासन से वाहन चालक की गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस ने वाहन को कब्जे में ले लिया है और फरार चालक की तलाश में जुट गई है।

नेताओं के गांव से जुड़ने वाला रास्ता बदहाल, अब जाकर जागा प्रशासन

» लोहारी-सेरूआ मार्ग पर वर्षों से ग्रामीणों को उठानी पड़ रही थी परेशानी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। माती क्षेत्र में स्थित लोहारी-सेरूआ मार्ग लंबे समय से बदहाल स्थिति में है, लेकिन हैरानी की बात यह रही कि इस मार्ग पर अब तक किसी भी जनप्रतिनिधि या विभाग की नजर नहीं पड़ी। यह सड़क भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष और वर्तमान एमएलसी अविनाश सिंह चौहान के पैतृक गांव सेरूआ को जोड़ती है, बावजूद इसके हालात बेहद खराब बने हुए थे। इस मार्ग से दर्जनों गांवों के लोग प्रतिदिन आना-जाना करते हैं, लेकिन सड़क की जर्जर हालत के चलते आए दिन राहगीर गिरकर घायल हो रहे हैं।

लोक निर्माण विभाग ने किया निरीक्षण, सर्वे के बाद निर्माण की तैयारी

गुरुवार को लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों द्वारा इस मार्ग का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने राहगीरों से भी बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। विभाग की ओर से इस सड़क का सर्वे कर एस्टीमेट तैयार कर शासन को भेज दिया गया है।अधिकारी साहिबे आलम ने बताया कि शासन से जैसे ही वित्तीय स्वीकृति मिलती है, वैसे ही टेंडर की प्रक्रिया शुरू कर सड़क निर्माण कराया जाएगा।

बाढ़ से निपटने के लिए डीएम ने कसी कमर

» जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने टीम के साथ बाढ़ प्रभावित इलाकों का निरीक्षण किया और इंतजाम जुटाने के निर्देश दिए

»हेतमापुर में शरणालय निर्माण का भी किया निरीक्षण

स्वराज इंडिया संवाददाता

बाराबंकी । संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए सुरक्षा,राहत एवं बचाव उपायों की तैयारियों को परखने हेतु जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने टीम के साथ कमर कस ली है। डीएम ने तहसील रामनगर के विभिन्न संवेदनशील व अति संवेदनशील स्थलों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय, मुख्य विकास अधिकारी अन्ना सुदन, संयुक्त मजिस्ट्रेट तेजस के0, उप जिलाधिकारी रामनगर विवेक शील यादव, अधिशासी अभियंता बाढ़ खंड शशिकांत सिंह समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

निरीक्षण की शुरुआत हेतमापुर से हुई, जहाँ संभावित आपदा की स्थिति में ग्रामीणों के अस्थायी आवास हेतु शरणालय का निर्माण कराया जा रहा है। जिलाधिकारी ने निर्माण स्थल की भौतिक प्रगति देखी तथा निर्माण की गुणवत्ता, पेयजल, शौचालय, विद्युत, प्राथमिक चिकित्सा, शयन व्यवस्था एवं महिला-बाल हितैषी सुविधाओं की उपलब्धता के संबंध में जानकारी ली। इस दौरान सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा बताया गया कि शरणालय के हस्तांतरण हेतु समिति गठित हो चुकी है शीघ्र ही हस्तांतरण की प्रक्रिया पूर्ण हो जाएगी।

हेतमापुर कटाव व बबुरी (सरसंडा) कटाव स्थलों का निरीक्षण एवं ग्रामीणों से किया संवाद

शरणालय निरीक्षण के उपरांत जिलाधिकारी ने हेतमापुर कटाव स्थल तथा बबुरी मजरे सरसंडा में सरयू नदी के किनारे स्थित कटान प्रभावित स्थलों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर कटान की गंभीरता का आंकलन करते हुए संबंधित अभियंताओं से तत्कालिक समाधान व सुरक्षा उपायों की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान ग्रामवासियों से सीधा संवाद स्थापित कर उनके अनुभव एवं सुझाव सुने।

ग्रामीणों ने विगत वर्षों बाढ़ के दौरान आई कठिनाइयों के बारे में जानकारी दी,जिस पर जिलाधिकारी ने भरोसा दिलाया कि इस बार समय से पूर्व सभी तैयारियां सुनिश्चित की जा रही हैं ताकि जन-धन की हानि को पूरी तरह रोका जा सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जहां आवश्यक हो, वहाँ अतिरिक्त सुरक्षा उपाय, जैसे जियोबैग, बोल्डर बिछाव और ब्रेसिंग कार्य कर लिए जाय।

चहलारीघाट-गणेशपुर तटबंध में किमी 43.414 से 43.740 के मध्य ?684.02 लाख की लागत बाढ़ बचाव हेतु किये जा रहे कार्यो का किया निरीक्षण

अगले चरण में जिलाधिकारी ने चहलारीघाट-गणेशपुर तटबंध में चल रहे रिवेटमेंट व कटाव-निरोधक कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने सिंचाई विभाग और कार्यदायी संस्था को सख्त निर्देश दिए कि सभी कार्य वर्षा ऋतु प्रारंभ होने से पहले पूर्ण कर लिए जाएं।

इस दौरान उन्होंने ग्राम कुसौरा के ग्रामीणों से संवाद भी किया और राहत व्यवस्था से संबंधित उनके सुझावों को ध्यानपूर्वक सुना। उन्होंने कहा कि प्रशासन पूरी संवेदनशीलता के साथ काम कर रहा है और किसी भी संभावित आपदा से निपटने के लिए पूर्ण रूप से तैयार है।ज्ञातव्य है कि सरयू(घाघरा)नदी के दायें तट पर स्थित चहलारीघाट-गणेशपुर तटबंध में किमी 43.414 से 43.740 तक विस्तारित क्षेत्र में बाढ़ से बचाव हेतु विभिन्न कार्य सिचाई विभाग द्वारा कराए जा रहे है, जिसकी कुल लागत ?684.02 लाख है।

यह तटबंध लगभग 8250 की आबादी व 7622 हेक्टेयर कृषि भूमि को सुरक्षा प्रदान करेगा।निर्माण में स्टोन बोल्डर, जियोबैग, जियोफेब्रिक, बांस ब्रेसिंग जैसी बहुस्तरीय संरचनात्मक तकनीकों का प्रयोग किया जा रहा है। अंत में जिलाधिकारी ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि राहत एवं बचाव कार्यों से जुड़ी समस्त तैयारियों को समय से पूर्व सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि बाढ़ चौकियों को सक्रिय किया जाए, स्वास्थ्य विभाग की टीमें तैनात रहें तथा संक्रामक रोगों की रोकथाम की योजनाएं तैयार हों। उन्होंने पशुपालन, पंचायत, ग्राम्य विकास, आपदा प्रबंधन सहित सभी विभागों को समन्वित रूप से कार्य करने को कहा। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि ग्रामस्तर पर अधिकारी नियमित भ्रमण करें, स्थानीय निवासियों से संवाद बनाएं और जमीनी स्तर पर आने वाली समस्याओं को समझते हुए राहत योजनाएं बनाएं।

ग्राम गौंदौरा में भारी पड़ रही राजनीति, विकास कार्य प्रभावित

गाँव में बने खड़ंजे पर कई वर्षों से गन्दा पानी भरा है

स्वराज इंडिया संवाददाता

रामनगर बाराबंकी। ग्राम गौंदौरा के लोगों पर राजनीति भारी पड़ रही हैं। गाँव में बने खड़ंजे पर कई वर्षों से गन्दा पानी भरा है। कुछ लोगो के घरों में पानी घुस गया है यहाँ के ग्रामीणों पर संक्रामक बीमारियों का खतरा मडरा रहा है। लोग वैकल्पिक मार्ग से गुजरने पर मजबूर है तमाम शिकायतों के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो पाया है ग्रामीण असहाय गए हैं लेकिन जिम्मेदार आँखों पर पट्टी बांधे हुए हैं। विकासखंड रामनगर के ग्राम पंचायत गोंदौरा में ग्रामीणों की सुविधा के लिए खड़ंजा बनाया गया था। जिससे लोगो का आवागमन सुगम हो गया था इस मार्ग से गुजरने वाले सैकड़ो ग्रामीणों को काफी राहत मिली थी लोगों के घरों का पानी खड़ंजा के किनारे नाली से निकलकर खेतो की ओर जाता था लेकिन खेत मालिको ने इसका विरोध कर नाली बंद कर दी। तभी से नालियों का पानी खड़ंजे पर भर रहा है। जिससे खड़ंजा तालाब में तब्दील हो गया है। इस मार्ग के किनारे बने मकान के लोगो मे दीप नारायण मिश्रा अखिलेश अशोक ललितेश देशराज अजय अरूण कुमार सहित दर्जनों ग्रामीण निवास करने से लेकर मार्ग से गुजरने तक समस्या का दंश झेल रहे है। इसी लाइन में निवास कर रही किरण पत्नी अरुण कुमार से जब बात की गई तो वह फफक कर रो पड़ी और बोली कि कई वर्षों से खड़ंजा पर पानी भरा है। ग्राम प्रधान से लेकर उच्च अधिकारियों तक समस्या के निराकरण के लिए शिकायत की लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई है आखिरकार खड़ंजे पर अधिक पानी होने के चलते मेरे घर में गन्दा पानी भरा है। पड़ोसी के घर में रहकर जीवन यापन कर रही हूं।

कांग्रेस के कमला नेहरू भवन में 'ताला-युद्ध'

» कब्जे को लेकर दो अध्यक्ष भिड़े, कांग्रेस ऑफ़िस पहुंची पुलिस!

पत्र में कार्यकर्ताओं का आरोप: आप गुंडों का साथ दे रहे प्रदेश अध्यक्ष जी!

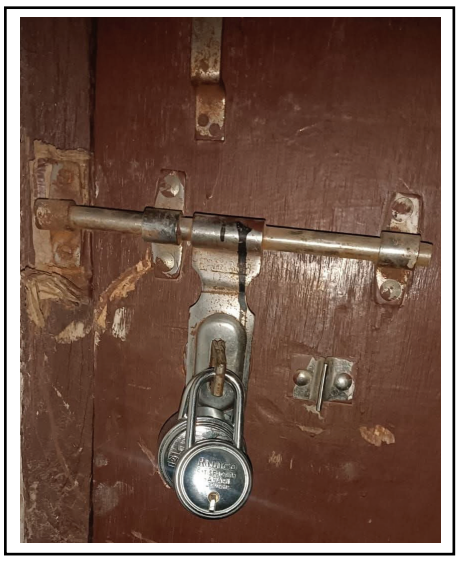

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या। कांग्रेस की अयोध्या इकाई में इन दिनों घमासान मचा है ऐसा घमासान जिसमें विचारधारा नहीं, ताले और एसी की ठंडी लड़ाई है! रिकाबगंज स्थित कमला नेहरू भवन में पहले पूर्व अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कमरे में ताला जड़ा, फिर वर्तमान अध्यक्ष चेत नारायण सिंह ने उसी पर दूसरा ताला जड़कर बता दिया कि कांग्रेस में अब ताले भी 'डबल लॉक सिस्टम' से चलते हैं।

मामला एक कमरे में लगे एसी को लेकर शुरू हुआ, पर अब आरोप है कि यह सीधे प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की नीयत और नेतृत्व पर सवाल खड़ा कर रहा है। अखिलेश यादव दावा करते हैं कि एसी उन्होंने अपनी जेब से लगवाया उनका कहना है कि हमने साढ़े तीन लाख रुपए खर्च करके ऑफिस सही कराया था टीवी एसी सोफा सब मेरे निजी पैसे का था , जबकि जिला कांग्रेस कमेटी कहती है कि खर्च पार्टी फंड से हुआ। इस बहस के बीच ताले जड़े गए, और अंत में दोनों को लखनऊ तलब कर लिया गया।

लेकिन असली धमाका तो तब हुआ जब कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष को एक खुला पत्र लिखा जिसमें आरोपों की बौछार है। सबसे बड़ा सवाल है कि पार्टी के बीच मचे इस घमासान में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ0 निर्मल खत्री की चुप्पी भी कार्यकर्ताओ के लिए चिंता का विषय बन चुकी है। जबकि पूर्व जिलाध्यक्ष अखिलेश यादव का कहना है कि इस पूरे मामले के पीछे एक बड़े नेता की साजिश है जो कि पार्टी को खत्म करने की कसम खा चुका है। सवाल ये नहीं कि एसी किसका है सवाल ये है कि कांग्रेस के इस कमरे में अब 'शर्म' की कितनी जगह बची है?

सवाल- क्या राय साहब कांग्रेस को कांग्रेसियों से नहीं, कांग्रेसियों को कांग्रेस से बचा रहे हैं? कभी आज़ादी की लड़ाई में कांग्रेस के दफ्तर मशवरे का केंद्र होते थे, आज वहीं एसी का स्विच और ताले की चाबी सत्ता का प्रतीक बन चुकी है। अगर यही नेतृत्व है, तो फिर विपक्ष की 'गर्मी' से कौन बचेगा?

अयोध्या जिला अस्पताल में खून के सौदागर

» लेवल वन डॉक्टर ब्लड बैंक प्रभारी, दो-दो जेम पोर्टल से जमकर हुई खरीदी की हेराफेरी

» प्रमुख अधीक्षक बोले—मुझे जानकारी नहीं थी!

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। रामनगरी के जिला चिकित्सालय में स्वास्थ्य नहीं, अब सिर्फ 'व्यवस्था' बीमार है। ऐसा अस्पताल जहां शासनादेशों को ताक पर रखकर लेवल वन के डॉक्टर को ब्लड बैंक का प्रभारी बना दिया गया है, जबकि नियम साफ कहते हैं कि लेवल थ्री से नीचे का कोई डॉक्टर इस जिम्मेदारी के योग्य नहीं है। लेकिन यहां योग्यता नहीं, चहेता होना ही पर्याप्त है।

सबसे चौंकाने वाली बात—इस अस्पताल में जेम पोर्टल, जो सरकारी खरीद की पारदर्शिता का प्रतीक माना जाता है, वो भी दो-दो चल रहे हैं! एक प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ. ए.के. सिन्हा की आईडी से और दूसरा ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. फुजैल अहमद के नाम से। नतीजा? लाखों की खरीदी, जरूरत से ज्यादा उपकरण, और अब ब्लड बैंक के स्टोर में धूल फांकती मशीनें। जाहिर है, सिस्टम को चूना लगाने की पूरी स्क्रिप्ट गुपचुप ढंग से लिखी गई और अस्पताल प्रशासन को इसकी भनक तक नहीं—या यूं कहिए कि भनक लगने ही नहीं दी गई।

जब स्वराज इंडिया संवाददाता ने प्रभारी प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक से इस बारे में सवाल किया, तो उन्होंने पहले अज्ञानता जताई और बाद में माना कि लेवल थ्री का डॉक्टर ही ब्लड बैंक संभाल सकता है। जेम पोर्टल की संख्या पर बोले मुझे जानकारी नहीं थी कि एक ही पोर्टल होना चाहिए!

यानी घपले की स्क्रिप्ट लिखी जाती रही और प्रमुख कुर्सियों पर बैठे लोग आंख मूंदकर बैठे रहे। शासन के आदेशों की धज्जियां, पारदर्शिता की चिन्दियां, और मरीजों की सेहत के नाम पर खुलेआम तमाशा।

जब शासनादेश बना मज़ाक

लेवल वन डॉक्टर को ब्लड बैंक की जिम्मेदारी
लाखों की खरीद बिना जरूरत
उपकरण स्टोर में पड़े-पड़े खराब
दो-दो जेम पोर्टल से सरकारी धन की लूट

संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत ने कहा

इजराइली हमलों में 78 की मौत, 320 से ज्यादा घायल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो/एजेंसी

"इजराइल ने शुक्रवार को कई ईरानी शहरों में कई नागरिक और सैन्य स्थलों को निशाना बना कर आक्रामकतापूर्ण कार्य कर रहा है।

नई दिल्ली। इजराइल ने ईरान पर शुक्रवार को विमानों से बम बरसाए थे। इस दौरान इजराइल ने उत्तरी ईरान के तबरीज पर 10 अलग-अलग ठिकानों पर बमबारी की। अधिकारियों ने खुलासा किया कि उन्होंने इस एयर स्ट्राइक से पहले ही हथियार और ड्रोन ईरान के भीतर पहुंचा दिए थे।

ईरान के यूएन राजदूत ने शुक्रवार को कहा कि इजराइली हमलों में 78 लोग मारे गए और 320 से ज्यादा घायल हुए हैं। राजदूत आमिर सईद इरावानी ने यूएन सुरक्षा परिषद की एक आपातकालीन बैठक में कहा कि इजरायल के बर्बर और आपराधिक हमले और हत्याएं वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों और परमाणु वैज्ञानिकों के खिलाफ थीं। लेकिन उन्होंने कहा कि पीड़ितों में ज्यादातर नागरिक, महिलाएं और बच्चे थे। उन्होंने कहा कि इजराइल शुक्रवार को फिर से कई ईरानी शहरों में कई नागरिक और सैन्य स्थलों को निशाना बनाकर आक्रामकतापूर्ण कार्य कर रहा है।

ईरान के परमाणु और सैन्य ठिकानों पर हमला : इजराइल ने शुक्रवार को ईरान के परमाणु और सैन्य ढांचे के केंद्र पर तीखे हमले किए, प्रमुख सुविधाओं पर हमला करने और शीर्ष जनरलों और वैज्ञानिकों को मारने के लिए पहले से देश में तस्करी करके लाए गए युद्धक विमानों और ड्रोनों को तैनात किया। यह एक ऐसा हमला था जो उसके विरोधी को परमाणु हथियार बनाने के और करीब पहुंचने से पहले जरूरी था।

बैलिस्टिक मिसाइलें दागकर जवाबी कार्रवाई : ईरान ने शुक्रवार देर रात इजराइल पर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागकर जवाबी कार्रवाई की, जिसके कारण यरुशलम और तेल अवीव के आसमान में विस्फोट हुए और नीचे की इमारतें हिल गईं। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने एक रिकॉर्ड किए गए संदेश में कहा कि हम उन्हें उनके द्वारा किए गए इस बड़े अपराध से सुरक्षित रूप से भागने नहीं देंगे। उन्होंने बदला लेने की कसम खाई।

अमेरिका ने की इजराइल की मदद : एसोसिएटेड प्रेस के एक रिपोर्ट ने मिसाइल हमले के बाद तेल अवीव में धुआं उठते देखा। तेल अवीव क्षेत्र के एक अस्पताल ने कहा कि वह 15 घायल नागरिकों का इलाज कर रहा है। उपायों पर चर्चा करने के लिए नाम न बताने की शर्त पर बात करने वाले एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि क्षेत्र में अमेरिकी जमीनी एयर डिफेंस सिस्टम ईरानी मिसाइलों को मार गिराने में मदद कर रही हैं।

इजराइल के चल रहे हवाई हमलों और खुफिया ऑपरेशन और ईरान की जवाबी कार्रवाई ने देशों के बीच एक व्यापक युद्ध के बारे में चिंताएं बढ़ा दी हैं और पहले से ही तनावग्रस्त क्षेत्र को और भी अधिक उथल-पुथल में धकेल दिया है।

ईरान का जवाबी हमला

इजरायल पर सैकड़ों बैलिस्टिक मिसाइलों की बारिश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो/एजेंसी

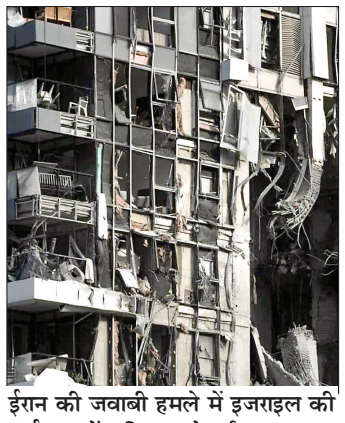

ईरान की जवाबी हमले में इजराइल की कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं।

तेहरान। इजरायल के अटैक के बाद ईरान की ओर से जवाबी हमला किया जा रहा है। ईरान ने शनिवार तड़के फिर से इजरायल पर मिसाइलों की बारिश की है। इससे कुछ घंटे पहले शुक्रवार शाम को भी ईरान ने इजरायल पर मिसाइलों की बौछार की थी। ईरान ने बैलिस्टिक मिसाइलों से इजरायल को निशाना बनाया है। शनिवार सुबह यरुशलम और तेल अवीव में सायरन और विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं। ईरान ने इजराल के खिलाफ अपने इस ऑपरेशन को 'टू प्रॉमिस 3' नाम दिया है। ईरान के हमलों में इजरायल के कई इलाकों में नुकसान हुआ है।

इजरायल के अधिकारियों ने शुक्रवार देर रात बताया है कि ईरान की ओर से अब तक 150 से ज्यादा मिसाइलें दागी जा चुकी हैं। तेल अवीव में शनिवार सुबह कम से कम दो ईरानी मिसाइलें जमीन पर गिरी हैं। ईरान के मिसाइल हमलों में अब तक 50 से ज्यादा इजरायली घायल हुए हैं। वहीं एक शख्स की मौत की पुष्टि हुई है। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड की ओर से कहा गया है कि उन्होंने इजरायल में दर्जनों सैन्य केंद्रों और एयरबेस पर हमले किए हैं।

ईरान के पलटवार से इजराइल में भारी नुकसान

ईरान ने शुक्रवार रात से इजरायल पर हमले शुरू किए हैं। ईरानी मिसाइल हमले में इजरायल के कई शहरों को निशाना बनाया गया, जिससे इमारतों को नुकसान हुआ और दर्जनों लोग घायल हुए। ईरान ने किर्यात कंपाउंड पर भी हमला किया है, इसे इजरायल का पेंटागन कहा जाता है। फॉक्स न्यूज के ट्रे यिंगस्ट ने इजरायल के सैन्य मुख्यालय कियाग्त के नजदीक नुकसान की बात कही है। उन्होंने कहा कि आपातकालीन दल इमारतों में जाकर उन लोगों की तलाश कर रहे हैं, जो फंसे हुए हो सकते हैं। ईरान के राजदूत ने सुरक्षा परिषद को बताया कि इजराइल के हमलों में 78 लोग मारे गए और 320 से ज्यादा घायल हुए हैं। राजदूत ने कहा कि मरने वालों में ज्यादातर आम नागरिक थे।

इसके जवाब में ईरान ने इजराइल के तेल अवीव पर मिसाइलों से हमला किया है। इससे पहले शुक्रवार तड़के इजरायल ने ईरान के कई शहरों में हमले किए थे। इसमें ईरान के कई शीर्ष सैन्य अधिकारी और परमाणु वैज्ञानिक मारे गए हैं। इस हमले के बाद ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई ने कहा है कि ईरानी सेना इजरायल को भारी चोट पहुंचाएगी।

ईरान की जवाबी हमले में हुए नुकसान को बयां करती हुई एक तस्वीर।

नया रिकॉर्ड: 49.4 डिग्री पहुंचा पारा

14 जून 1934 को अधिकतम तापमान 50 डिग्री सेल्सियस हुआ था

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

गंगानगर। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 49.4 डिग्री रिकॉर्ड हुआ, जो इस सीजन का सबसे अधिक तापमान है। मौसम विभाग ने हीटवेव का रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। समूचा उत्तर भारत इन दिनों भीषण गर्मी और लू की चपेट में है। राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, यूपी से लेकर बिहार तक जेठ की गर्मी लोगों के पसीने छुड़ा रही है। कई शहरों में हीट वेब का भीषण प्रकोप है। शुक्रवार को गर्मी ने नया रिकॉर्ड बना दिया है। शुक्रवार को राजस्थान में अधिकतम तापमान 49.4 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। जो इस सीजन का सबसे अधिक तापमान है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार को राजस्थान के सीमावर्ती शहर गंगानगर में अधिकतम तापमान 49.4 डिग्री दर्ज किया गया।

1934 में 50 डिग्री पहुंचा था पारा : जयपुर स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, शुक्रवार को गंगानगर में अधिकतम तापमान सामान्य से 7.9 डिग्री अधिक 49.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम में सबसे अधिक है। शहर में 14 जून 1934 को अधिकतम तापमान 50 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

मौसम विभाग के मुताबिक, चुरू में अधिकतम तापमान 47.6 डिग्री, जैसलमेर में 46.9 डिग्री, बीकानेर में 46.4 डिग्री, जोधपुर में 46.3 डिग्री, फलोदी व बाड़मेर में 46.2 डिग्री, पिलानी में 45.4 डिग्री, लूणकरणसर में 45.2 डिग्री, पाली व फतेहपुर में यह 45 डिग्री, चित्तौड़गढ़ में 44.9 डिग्री, संगरिया में 44.6 डिग्री, झुंझुनू में 44.5 डिग्री, नागौर में 44.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राजधानी जयपुर में शुक्रको अधिकतम तापमान 44.5 डिग्री रहा।

दिल्ली में 44 के करीब पारा, दोपहर बाद चली हवा से मिली राहत : शुक्रवार को दिल्ली में अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के आसपास है, जबकि सुबह की 67 प्रतिशत आद्रता ने गर्मी को और असहनीय बना दिया है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, अगले दो दिन तक उत्तर भारत में लू और गर्मी से राहत की कोई संभावना नहीं है। हालांकि दोपहर बाद चली हवा से लोगों को कुछ राहत मिली।

आईएमडी का हीटवेव का रेड और ऑरेंज अलर्ट: भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने उत्तर भारत के कई राज्यों के लिए अलर्ट जारी किया है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और राजस्थान में 15 जून तक लू (हीटवेव) का रेड अलर्ट है। वहीं, मध्य प्रदेश और बिहार में ऑरेंज अलर्ट है। महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में बारिश और आंधी के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। आईएमडी ने लोगों से गर्मी से बचने के लिए सावधानी बरतने और पर्याप्त पानी पीने की सलाह दी है।